शिकंजा 18 अगस्त तक फिर से देनी होगी विस्तृत जानकारी, निगरानी जारी रखेगा हाई कोर्ट

सिम्स, अंबेडकर व डीकेएस ने सौंपी व्यवस्थाओं की रिपोर्ट

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर: छत्तीसगढ़ के तीन प्रमुख सरकारी अस्पताल सिम्स, डीकेएस और डा. भीमराव अंबेडकर मेमोरियल अस्पताल रायपुर की व्यवस्थाओं को लेकर हाई कोर्ट के निर्देश पर डीन और अधीक्षकों ने शपथ पत्र के माध्यम से रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट 7 और 20 मई 2025 को जारी कोर्ट आदेश के अनुपालन में पेश की गई है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि निगरानी अभी समाप्त नहीं होगी और 18 अगस्त 2025 को विस्तृत प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

हाई कोर्ट देखेगा प्रगति रिपोर्ट: हाई कोर्ट ने इन सभी व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए स्पष्ट किया है कि मामले की निगरानी जारी रहेगी। तीनों अस्पतालों को निर्देशित किया गया है कि 18 अगस्त तक अगली प्रगति रिपोर्ट शपथ पत्र के रूप में प्रस्तुत करें, ताकि सुधार की दिशा स्पष्ट हो।

सिम्स: ई-हास्पिटल सिस्टम लागू

सिम्स प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल में ई-हास्पिटल प्रणाली लागू कर दी गई है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान हो गई है। मरीजों की सुविधा के लिए एमआरडी के पास सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। स्वच्छता की निगरानी के लिए वाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं और संक्रमण नियंत्रण समिति को और सशक्त किया गया है। अस्पताल को एंटी माइक्रोबियल रेजिस्टेंस रोकथाम कार्यक्रम में शामिल करते हुए केंद्र सरकार की मान्यता प्राप्त हुई है। बेड साइड एक्स-रे सेवाएं शुरू की गई हैं और जीनो लैब स्थापना का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया है। साथ ही दवा वितरण केंद्र का विस्तार और वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा शाम और रात में विजिट की नियमित व्यवस्था भी शुरू की गई है।

7 मई और 20 मई 2025 को जारी कोर्ट के आदेश पर सौंपी गई है जानकारी

6,000 वर्गफीट के निवास हाल में ठहरने की सुविधा डीकेएस में

12.82 करोड़ की लागत से अंबेडकर अस्पताल में बननी है नई धर्मशाला

फाइल फोटो

डीकेएस: स्वजन के ठहराव और नए निर्माण का प्रस्ताव

डीकेएस रायपुर की ओर से बताया गया कि मरीज के साथ एक परिजन को वार्ड और एक को 6000 वर्गफुट के निवास हाल में ठहरने की सुविधा दी जा रही है। इस हाल में कूलर, पंखे, स्वच्छ टायलेट और पीने का पानी की सुविधा है। इसके साथ ही 'दाई कोरा' भवन में 16 बेड और नए मड़िया निवास के निर्माण का प्रस्ताव भेजा गया है।

अंबेडकर अस्पताल: स्वजन के लिए निश्शुल्क व सस्ती सुविधा

अंबेडकर अस्पताल ने जानकारी दी कि इलाज के दौरान मरीज के साथ एक स्वजन को पास जारी किया जाता है, ताकि वह वार्ड में रह सके। आयुष्मति भवन में निश्शुल्क आवास और बिन्नीबाई धर्मशाला में मात्र 100 प्रतिदिन में ठहरने व भोजन की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही 12.82 करोड़ रुपये की लागत से नई धर्मशाला निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। वार्डों में मिलने का समय नोटिस के रूप में प्रदर्शित किया गया है ताकि व्यवस्था बनी रहे।